**Need to set up Ahir Regiment in Army - laid**

**श्री कृष्णपालसिंह यादव (गुना):** भारत की थल सेना में रेजिमेंट प्रणाली हैं जिनका बंटवारा ब्रिटिश काल में हुआ था और इसमें भर्तियां जाति या समुदाय के आधार पर होती थी। पिछले कई वर्षों से अहीर (यादव) समुदाय की मांग है कि सेना में अहीर रेजिमेंट के नाम पर एक पूर्ण इन्फैंट्री हो जो वर्तमान में कुमाऊं रेजिमेंट के दो बटालियन और अन्य रेजिमेंटों में एक निर्धारित प्रतिशत तक सीमित है। अहीर समाज का देश के इतिहास में बहुत बड़ा योगदान है, चाहे वह 1948, 1962, 1965, 1971, कारगिल युद्ध, प्रथम/द्वितीय विश्व युद्ध या 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम हो। अहीर समुदाय के सैनिकों को पराक्रम और अदम्य साहस के लिए दो परमवीर चक्र, चार महावीर चक्र, चार अशोक चक्र, तीस वीर चक्र और छह कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया है। 1962 में भारत-चीन युद्ध के दौरान 17,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित रेजांग ला पर 3000 चीनी सैनिकों से लड़ते हुए 120 अहीर समाज के सैनिकों ने अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे। अहीर समाज के ऐतिहासिक योगदान को सम्मान देने हेतु मेरा सरकार से विनम्र निवेदन है कि वो अहीर रेजिमेंट के गठन को तत्काल स्वीकृति दे और यदि किसी प्रशासनिक कारणों से यह संभव न हो तो वायु सेना और नौसेना की तरह थल सेना में भी रेजिमेंट प्रणाली को खत्म किया जाए जिससे हर वर्ग को उचित प्रतिनिधित्व मिले।